संकल्प पत्रिका

(यूको बैंक, चंडीगढ़), जनवरी-मार्च 2020, अंक- 9

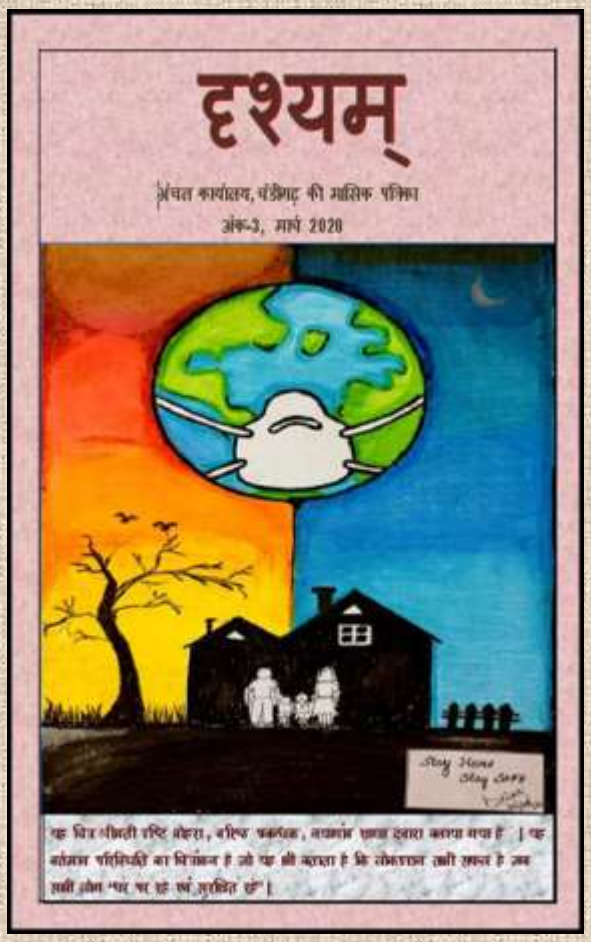

अंचल की मासिक पत्रिका

दृश्यम्

के

प्रकाशित

अंक

जनवरी, फरवरी, मार्च

2020

संपादक-मण्डल

संरक्षक

श्री कपिल सेठ

अंचल प्रबन्धक

मार्गदर्शक

सुश्री परमजीत कौर

उप अंचल प्रमुख

श्री दिनेश कुमार अग्रवाल

मुख्य प्रबन्धक

श्री अरुण कुमार

मुख्य प्रबन्धक

सहयोग

श्रीमती शैली सचदेवा, वरिष्ठ प्रबन्धक

श्री टी.आर. सरदाना, प्रबन्धक

श्री देवेन्द्र कलसी, प्रबन्धक

श्री सुरेन्द्र नेगी, सहायक प्रबन्धक

सम्पादक

डॉ हेमलता

पता

यूको बैंक, अंचल कार्यालय

प्रथम मंजिल, एस.सी.ओ. 55-56-57

बैंक स्क्वायर, सेक्टर 17 बी,

चंडीगढ़-160017

फोन न. 0172-5037385

मेल आई.डी. zochng.ol@ucobank.co.in

विषय-सूची

1. मुख्य पृष्ठ — पेज न॰ 1-2
2. संपादक-मण्डल — 3
3. विषय-सूची — 4
4. प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश — 5
5. अंचल प्रबन्धक का संदेश — 6
6. उप अंचल प्रमुख का संदेश — 7
7. संपादकीय — 8
8. शाखाओं का व्यावसायिक प्रदर्शन — 9-11
9. नराकास, चंडीगढ़ — 12
10. गतिविधियां एवं कार्यक्रम — 13-19
    - बैंक स्थापना दिवस
    - गणतन्त्र दिवस
    - एम॰डी॰ सर का आगमन
    - होली त्यौहार
    - आरसेटी कार्यक्रम, रोपड़
    - महाप्रबंधक महोदय का आगमन
    - अन्य
11. राजभाषा कार्यक्रम — 20-22
    - क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र
    - यूको राजभाषा सम्मान
    - हिन्दी लोकप्रिय कार्यक्रम में सहयोग
12. रचनात्मक भाग — 23-30
    - कविता- खुली आँखों का सपना (शैली सचदेवा)
    - कविता- पलायन.....;खौफ करो ना.... (डॉ हेमलता)
    - कविता- मजबूर हूँ... (पद्मनाभ पाण्डेय)
    - कविता- मेरी तितली (आशीष कुमार)
    - निबंध- भ्रष्टाचार हटाओ नया भारत बनाओ (अमित कुमार मिश्रा)
    - निबंध- ईमानदारी एक जीवन शैली (टी॰आर॰सरदाना)
13. क्षेत्रीय भाषा (पंजाबी) — 31-34
    - कविता (सिमर सिंह)
    - आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा– ऐतिहासिक महत्त्व
14. कोरोना काल का अनुभव.... (गुरिंदर कौर) — 35
15. आरसेटी- सफलता की कहानी.... — 36-37
16. पारिवारिक प्रतिभाएँ — 38-39
17. विदाई- सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य — 40
18. वसूली अभियान एवं वित्तीय साक्षरता दिवस — 41
19. कोरोना-योद्धा — 42
20. यूको बैंक.... सुर्खियों में... — 43-44

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

प्रिय मित्रों,

विषम परिस्थितियों में ही किसी व्यक्ति एवं संस्था के धैर्य एवं साहस की पहचान होती है | यह हमारा सौभाग्य है कि हमें इस वैश्विक संकट में भी लोगों की मदद करने हेतु सामर्थ्यवान बनाया गया है | सभी उद्योगों एवं ग्राहकों हेतु बैंकर्स एक महत्त्वपूर्ण वित्तीय स्त्रोत एवं आर्थिक स्वास्थ्य के रक्षक है अत: हम सभी बैंकर्स का यह कर्तव्य है कि आर्थिक संकट से जूझ रहे विभिन्न क्षेत्र हेतु सरकार द्वारा लाई गयी समस्त योजनाओं का हम सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करें |

यूको बैंक अपनी विभिन्न कोविद-19 रिलीफ़ योजनाओं के माध्यम से अपने ग्राहकों की आर्थिक समस्या का समाधान करने एवं अर्थव्यवस्था सुधारने हेतु वचनबद्ध है | इन योजनाओं (यूको बैंक इमरजेंसी क्रेडिट लाइन) के माध्यम से जहाँ एक ओर एम॰एस॰एम॰ई॰ सेक्टर को वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया, वहीं दूसरी ओर स्वयं सहायता समूह, किसानों आदि हेतु भी विभिन्न आर्थिक लाभ एवं सुविधाएँ निर्धारित की गई है |

यूको बैंक इमरजेंसी क्रेडिट लाइन के उपरांत अब एम॰एस॰एम॰ई॰ सेक्टर की आर्थिक मदद हेतु यूको बैंक की "गारंटीड इमरजेंसी क्रेडिट लाइन" एम॰एस॰एम॰ई॰ सेक्टर/व्यापारिक उद्यम के लिए अति लाभकारी है | जी॰ई॰सी॰एल॰ के माध्यम से हम एम॰एस॰एम॰ई॰सेक्टर/व्यापारिक उद्यम के ग्राहकों को 20% अतिरिक्त लिमिट के माध्यम से आर्थिक सहायता कर सकते है | इस तरह से हमारी विभिन्न शाखाएँ अपने एडवांस पोर्टफोलियो में भी वृद्धि सुनिश्चित कर सकती है |

हम सभी को यह समझना अति आवश्यक है कि इन सभी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन यह निर्धारित करता है कि हमारे बैंक से जुड़े समस्त ग्राहकों का व्यवसाय महामारी में भी आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेगा एवं हमारे ग्राहकों को नकदी प्रवाह की कोई समस्या नहीं होगी | इसके माध्यम से हम अपने प्रति विश्वास भी दृढ़ करने में सफल होंगे | साथ ही कोविद-19 महामारी से उत्पन्न आर्थिक संकट को समाप्त करने हेतु भारत सरकार के उद्देश्य को साकार करने में सफलता प्राप्त होगी |

मेरा आप सभी से यह अनुरोध है कि इस वैश्विक संकट के समय हम सभी अपने कर्तव्य का समुचित पालन का एक आदर्श स्थापित करें | आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना सहित |

आपका

(अतुल कुमार गोयल)

अंचल प्रबन्धक का संदेश

हमारे अंचल की "संकल्प" पत्रिका के इस अंक के माध्यम से मैं एक बार पुन: आप सभी तक अपनी बात पहुंचा रहा हूँ | सर्वप्रथम हमारे बैंक के स्थापना दिवस की आप सभी को अनंत शुभकामनाएँ |

वर्तमान में देश बहुत ही विकट स्थिति से गुजर रहा है | चीन के वुहान शहर से प्रारम्भ कोरोना वायरस सम्पूर्ण विश्व के देशों में फैल गया है और सभी देशों की अर्थव्यवस्था को भी काफी नुकसान पहुंचा रहे है | इन विपरीत परिस्थितियों में हम सभी मिलकर आवश्यक सेवाओं के रूप में बैंक के सभी ग्राहकों को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान कर रहे है | एतदर्थ मैं अपनी सभी शाखाओं के स्टाफ सदस्यों को धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने कोविद-19 से संक्रमण से स्वयं के बचाव के साथ-साथ ग्राहकों को भी एहतियाद उपायों की जानकारी दी|

हम सभी को इन परिस्थितियों में सुरक्षा उपायों का उपयोग करते हुए बैंक के लाभ की ओर भी कार्य करना है | भारत सरकार की सभी योजनाओं का लाभ योग्य ग्राहकों तक पहुंचाना सुनिश्चित करना है | इसके साथ ही साथ हमारे बैंक की कोविद-19 आपातकालीन ऋण सुविधा की जानकारी भी ग्राहकों तक पहुंचानी है | सम्पूर्ण देश में तालाबंदी होने से अब हमारे द्वारा सभी ग्राहकों से प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करना संभव नहीं है अत: इस समय ग्राहकों तक हमारे बैंक के तकनीकी उत्पाद पहुंचाना अत्यावश्यक हो गया है | हमारे बैंक की "एम॰ बैंकिंग प्लस" की विस्तृत जानकारी हमें सभी ग्राहकों तक फोन, संदेश या ई-मेल के माध्यम से पहुंचाने का प्रयास करना है |

मुझे पूरा विश्वास है कि सम्पूर्ण विश्व मिलकर शीघ्र ही कोविद-19 के संक्रमण की कड़ी को समाप्त करने में सफल होगा और विश्व के वैज्ञानिक भी शीघ्र ही इसकी वैक्सीन बनाने में सफल होंगे | तब तक सभी को अनिवार्य रूप से सुरक्षित उपायों का प्रयोग करना है एवं ग्राहकों को आवश्यक दूरी से ही बैंकिंग सुविधा प्रदान करनी है | सभी सजग रहें एवं सुरक्षित रहें | इन्हीं शुभकामनाओं के साथ -

(कपिल सेठ)

उप अंचल प्रमुख का संदेश

वित्तीय वर्ष 2019-20 की अंतिम तिमाही में कोरोना महामारी ने न केवल भारत वरन सम्पूर्ण विश्व की अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया | जिसके कारण बैंकिंग कार्यप्रणाली में भी कई परिवर्तन हुए है | हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 22 मार्च को "जनता कर्फ़्यू" का आह्वान किया गया जिसमें इस महामारी के संक्रमण से बचने हेतु देशवासियों को घर पर रहने की सलाह दी गई |

देश की सम्पूर्ण बैंकिंग प्रणाली इस विकट समय में "आवश्यक सेवाओं" के रूप में मिलकर कार्य कर रही है और जनता को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने में अपनी भूमिका का निर्वहण कर रही है | वर्तमान में हमारी सभी शाखाएँ ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को ए॰डी॰सी॰ (वैकल्पिक वितरण प्रणाली) जैसे- एम॰बैंकिंग, ए॰टी॰एम॰ आदि प्रदान करें ताकि शाखा में लेन-देन हेतु आने वाले ग्राहकों की भीड़ को कम करके कोविद-19 के संक्रमण से बचा जा सकें तथा प्रत्येक व्यक्ति को बैंकिंग सुविधाएँ भी सही समय पर प्राप्त हो सकें |

इस समय सभी शाखाओं को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक है जैसे मास्क, दस्ताने, सेनीटाईजर और एक-दूसरे से 2 गज की दूरी | किसी भी स्टाफ सदस्य या ग्राहक में संक्रमण के लक्षण जैसे खांसी, जुकाम, बुखार या सांस लेने में तकलीफ दिखाई दे तो शीघ्र उससे खुछ दूरी बना लें और संक्रमित व्यक्ति को हस्पताल तक पहुंचाने एवं जांच कराने में सहयोग देवें |

देश में यह कोरोना वायरस दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है अत: सभी स्टाफ सदस्य सचेत रहें और सुरक्षित रहें | मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सभी मिलकर कोरोना वायरस को शीघ्र ही अपनी मजबूत "प्रतिरक्षा प्रणाली" (इम्यून सिस्टम) एवं सुरक्षा उपायों से पूरी तरह हराने में सफल होगें | इसी आशा के साथ ...

(परमजीत कौर)

संपादकीय

मुस्कान जिंदगी का वो हिस्सा है जो इंसान के दुखों पर छाया का काम करती है | अक्सर लोगों को कहते सुना है कि एक सच्ची मुस्कान अपने अंदर कई गम छिपाए हुए होती है | पर मुझे ऐसा लगता था कि अगर कोई व्यक्ति परेशान है तो वह हँस कैसे सकता है? पर यकीनन यही सांसारिक सत्य है |

जिस तरह दिन के बाद रात, सर्दी के बाद गर्मी और धूप के बाद छांव आती ही है उसी प्रकार सुख-दुख भी एक पहिये के समान जीवन में घूमते रहते है अत: दुखद समय को प्रकृति का आधार मानकर मानसिक रूप से सशक्त रहना चाहिए | जब सुख मनुष्य जीवन में स्थायी नहीं है तो दुख कैसे स्थायी रह सकता है, यही सार्वभौमिक सत्य है | आज सम्पूर्ण विश्व महामारी की त्रासदी को झेल रहा है, संक्रमण के इस दौर को भी हम मजबूत इच्छाशक्ति से ही दूर कर सकते है| सकारात्मक दृष्टिकोण ही इस समय सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है | इस दौरान देश में हुई तालाबंदी ने भी कोविद-19 के प्रकोप से देश को बचाने में काफी भूमिका अदा की है |

इस समय हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों तक बैंकिंग सुविधाएँ एवं सरकार की सभी योजनाओं को पहुंचाने का प्रयास करना है | इस प्रयास में राजभाषा एवं क्षेत्रीय भाषाएँ सहायक के रूप में अपना योगदान दे रही है | हम ग्राहक की भाषा में ही बात करके उन तक बैंक के तकनीकी उत्पाद पहुंचा सकते है और उन्हें सरकार की विभिन्न कोविद राहत योजनाओं से भी अवगत करा सकते है |

आशा है कि भारत शीघ्र ही “कोरोना-मुक्त” हो जाएगा |

डॉ हेमलता

प्रबन्धक (राजभाषा)

मुख्य पृष्ठ के संबंध में

यह चित्र श्रीमती दृष्टि वोहरा, वरिष्ठ प्रबन्धक, नयागांव द्वारा बनाया गया है | श्रीमती दृष्टि एक सफल बैंकर होने के साथ-साथ पेंटिंग, स्कैचिंग, मेंहदी और रंगोली में भी महारत रखती है|

शाखाओं का प्रदर्शन

(दिनांक: 01.01.2020 से 31.03.2020)

1. कुल व्यवसाय (Total Business)-

प्रथम- सेक्टर 35 बी, चंडीगढ़
द्वितीय- बीरखेड़ी गुर्जर
तृतीय- सेक्टर 44 डी, चंडीगढ़

2. कासा जमा (Casa Deposit)-

प्रथम- दाल बाजार, लुधियाना
द्वितीय- मोहाली
तृतीय- अयाली कलाँ

3. कुल जमा (Total Deposit)-

प्रथम- मिड कोपरेट, लुधियाना
द्वितीय- मोहाली
तृतीय- डी.एम.सी.एच. लुधियाना

4. कुल अग्रिम (Total Advance)-

प्रथम- सिविल लाइन, लुधियाना
द्वितीय- सेक्टर 35बी, चंडीगढ़
तृतीय- सेक्टर 44डी, चंडीगढ़

5. कुल रिटेल(राशि) Total Retail (No.)-

प्रथम- सिविल लाइन, लुधियाना
द्वितीय- सेक्टर 35बी, चंडीगढ़
तृतीय- बीरखेड़ी गुर्जर

6. कुल रिटेल(संख्या) Total Retail (amount.)--

प्रथम- मानसा
द्वितीय- बुढ़ालाड़ा
तृतीय- भीखी

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि
हम प्रयास करना छोड़ देते है
सफलता का एक रास्ता यह भी है कि
एक बार ओर प्रयास किया जाये |

7. गृह ऋण (संख्या) Home Loan (No.)-

प्रथम- पटियाला, भटिंडा, नयागांव, सुनाम

द्वितीय- मोरिंडा, लहरागागा

तृतीय- रोपड़, सिविल लाइन, लालतो कलाँ, दाल बाजार, संगरूर

8. गृह ऋण (स्वीकृत राशि) Home Loan (sanction amount)-

प्रथम- भटिंडा

द्वितीय- सेक्टर 35बी, चंडीगढ़

तृतीय- सेक्टर 22डी, चंडीगढ़

9. कार ऋण (संख्या) Car Loan (No.)-

प्रथम- सेक्टर 35बी, चंडीगढ़

द्वितीय- चुन्नी कलाँ, दरिया

तृतीय- मिलरगंज लुधियाना, मोहाली, जीरकपुर, सेक्टर 44डी

10. कार ऋण (राशि) Car Loan (amount)-

प्रथम- सेक्टर 35बी, चंडीगढ़

द्वितीय- मिलरगंज लुधियाना

तृतीय- दरिया

11. गोल्ड ऋण (संख्या) Gold Loan (No.)-

प्रथम- मानसा

द्वितीय- बुढ़ालाड़ा

तृतीय- भीखी

12. गोल्ड ऋण (राशि) Gold Loan (amount)-

प्रथम- बीरखेड़ी

द्वितीय- मानसा

तृतीय- भीखी

13. वसूली Recovery-

प्रथम- औ.क्षे. पटियाला

द्वितीय- खरड़

तृतीय- मल्हार रोड़, लुधियाना

14. शिक्षा ऋण (राशि) Education Loan-

प्रथम- सुनाम
द्वितीय- बीरखेड़ी गुर्जर
तृतीय- डेराबस्सी

15. कुल एम.एस.एम.ई (MSME)-

प्रथम- जीरकपुर
द्वितीय- सिविल लाइन, लुधियाना
तृतीय- डेराबस्सी

16. चालू जमा (Current Deposit) -

प्रथम- एम.सी. लुधियाना
द्वितीय- मंडी गोविंदगढ़
तृतीय- भटिंडा

17. अटल पेंशन योजना -

प्रथम- ढाबा कोकरियर
द्वितीय- लहरागागा
तृतीय- नयागांव

18. बचत जमा (Saving Deposit)-

प्रथम- सेक्टर 22डी, चंडीगढ़
द्वितीय- डी.एम.सी.एच. लुधियाना
तृतीय- अयाली कलाँ

19. सुरक्षा बीमा योजना -

प्रथम- ढाबा कोकरियर
द्वितीय- नंगल
तृतीय- सरदूलगढ़

20. जीवन ज्योति बीमा योजना -

प्रथम- लहरागागा
द्वितीय- ढाबा कोकरियर
तृतीय- अजौली

नराकास

नराकास(बैंक), चंडीगढ़ के तत्त्वावधान में आयोजित "गीत-गायन प्रतियोगिता

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), चंडीगढ़ के तत्त्वावधान में हमारे बैंक द्वारा दिनांक: 9 जनवरी 2020 को "गीत-गायन प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया | प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ श्री कपिल सेठ, अंचल प्रबन्धक एवं सुश्री परमजीत कौर, उप अंचल प्रमुख ने किया | प्रतियोगिता के निर्णायक-मण्डल में श्री पद्मनाभ पाण्डेय, मुख्य प्रबन्धक, यूको बैंक एवं श्री सतवीर, मुख्य प्रबन्धक, पंजाब नेशनल बैंक थे |

इस प्रतियोगिता में 16 बैंकों के लगभग 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं एक से बढ़कर एक प्रस्तुति मंच के समक्ष रखी | अंचल प्रबन्धक महोदय ने कहा कि हमारे सभी बैंकर बहुत ही प्रतिभावान है | इस प्रतियोगिता ने बैंकर में छुपी प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान किया है | नराकास सदस्य सचिव श्रीमती रेखा ने कहा कि नराकास के तत्त्वावधान में प्रथम बार इतना सुनियोजित एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागियों से भरपूर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है | जिसके लिए उनके द्वारा यूको बैंक के अंचल प्रबन्धक एवं राजभाषा अधिकारी की सराहना की | अंत में श्री दीपक कुमार, हरियाणा अंचल कार्यालय ने अपनी स्वरचित कविता "बैंकर की व्यथा" सभी के समक्ष प्रस्तुत की |

गतिविधियां एवं कार्यक्रम

बैंक स्थापना दिवस कार्यक्रम

6 जनवरी को अंचल कार्यालय एवं सभी शाखाओं में बैंक का स्थापना दिवस मनाया गया| रामपुरा फूल शाखा में "सुखमणी साहिब पाठ" का आयोजन किया गया जिसमें शाखा के सभी स्टाफ सदस्य एवं सम्मानित ग्राहकगण उपस्थित हुए | ढाबा कोकरियर शाखा में बैंक स्थापना दिवस अवसर पर "ग्राहक बैठक" का आयोजन किया गया एवं शाखा प्रबन्धक श्री साहिल जग्गा द्वारा ग्राहकों को बैंक की ऋण एवं अग्रिम की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया |

बैंक स्थापना दिवस पर डेराबस्सी शाखा में "ग्राहक बैठक" का आयोजन किया गया एवं 2 विद्यालयों के विद्यार्थियों को स्वेटरों का वितरण किया गया है | इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हमारे बैंक के निदेशक **"डॉ अरविंद शर्मा"** एवं श्री कपिल सेठ, अंचल प्रबन्धक उपस्थित थे| निदेशक महोदय ने शाखा द्वारा गरीब बच्चों को स्वेटर वितरण कार्य की अत्यधिक सराहना की | इस अवसर पर शाखा द्वारा "स्वास्थ्य जाँच शिविर" का भी आयोजन किया गया |

गणतन्त्र दिवस का आयोजन

26 जनवरी को 17 बी शाखा परिसर में "गणतन्त्र दिवस" का आयोजन किया गया | इस अवसर पर चंडीगढ़ की सभी शाखाओं के सुरक्षाकर्मियों द्वारा तिरंगे को सलामी दी गई | तत्पश्चात अंचल प्रबन्धक महोदय द्वारा गणतन्त्र दिवस की महत्ता के विषय पर अध्यक्षीय सम्बोधन दिया गया | इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों एवं बच्चों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियाँ दी गई |

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का आगमन

श्री अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय ने मार्च 2020 में चंडीगढ़ अंचल का दौरा किया एवं अंचल के स्टाफ सदस्यों की बैठक को संबोधित किया | प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा हमारे बैंक के व्यवसाय में वृद्धि हेतु सभी स्टाफ सदस्यों से सुझाव देने का भी आग्रह किया गया | उस बैठक में हमारे बैंक के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री दिनेश कुमार नामदेयो भी उपस्थित थे |

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ में केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा आयोजित बैठक के कतिपय स्वर्णिम पल

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ में केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार द्वारा बैंक के मुख्य सतर्कता अधिकारी के साथ बैठक का आयोजन किया गया | प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अतुल कुमार गोयल ने बैठक के उचित प्रबंधन हेतु श्री कपिल सेठ, अंचल प्रबन्धक एवं सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई दी |

होली-त्यौहार

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ में केमिकल रंगों के स्थान पर हल्दी का प्रयोग करके होली का त्यौहार मनाया गया | कार्यालय में होली के त्यौहार के आयोजन पर सभी स्टाफ सदस्यों ने अत्यंत खुशी जाहिर की |

आरसेटी कार्यक्रम, रोपड़

दिनांक: 4 फरवरी को रोपड़ में स्थित "ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान" में आयोजित "ब्यूटी पार्लर" स्वरोजगार कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया | इस कार्यक्रम में श्री जे॰के॰ पांडे, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, चंडीगढ़; श्री ए॰के॰ यादव, महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक; श्री कपिल सेठ, अंचल प्रबन्धक; श्री सुशील कुमार शर्मा, जिला अग्रणी प्रबन्धक, रोपड़ एवं श्री दुर्गेश कुमार, निदेशक, आरसेटी उपस्थित थे | श्री जे॰के॰ पांडे जी ने सभी छात्रों को प्रमाण-पत्र दिया एवं उन्हें सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी |

महाप्रबंधक महोदय का आगमन

2 फरवरी 2020 को अंचल कार्यालय में श्री राम कुमार, महाप्रबंधक महोदय, वित्त एवं कोपरेट क्रेडिट का आगमन हुआ | महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में अंचल कार्यालय में स्टाफ सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया एवं महाप्रबंधक महोदय ने सभी स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया एवं सभी विभागों के कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की | महाप्रबंधक महोदय ने वित्त विभाग को अनावश्यक खर्चों की देख-रेख करने की हिदायत दी और कहा कि वित्त विभाग इस संबंध में अंचल की शाखाओं को भी निर्देशित करें |

13 फरवरी 2020 को अंचल कार्यालय में श्री निधु सक्सेना, महाप्रबंधक महोदय, रिटेल एवं एमएसएमई का आगमन हुआ | महाप्रबंधक महोदय ने अंचल के सभी स्टाफ सदस्यों की बैठक को संबोधित किया एवं अंचल के रिटेल एवं एमएसएमई व्यवसाय की समीक्षा की |

अन्य

क्रिकेट मैच का आयोजन

चंडीगढ़ में स्थित सभी कार्यालयों ने मिलकर क्रिकेट टीम बनाई हुई है जिनके मध्य क्रिकेट मैच का आयोजन होता रहता है | 23 फरवरी को कुल 9 टीम के मध्य क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया जिसमें हमारे बैंक को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ |

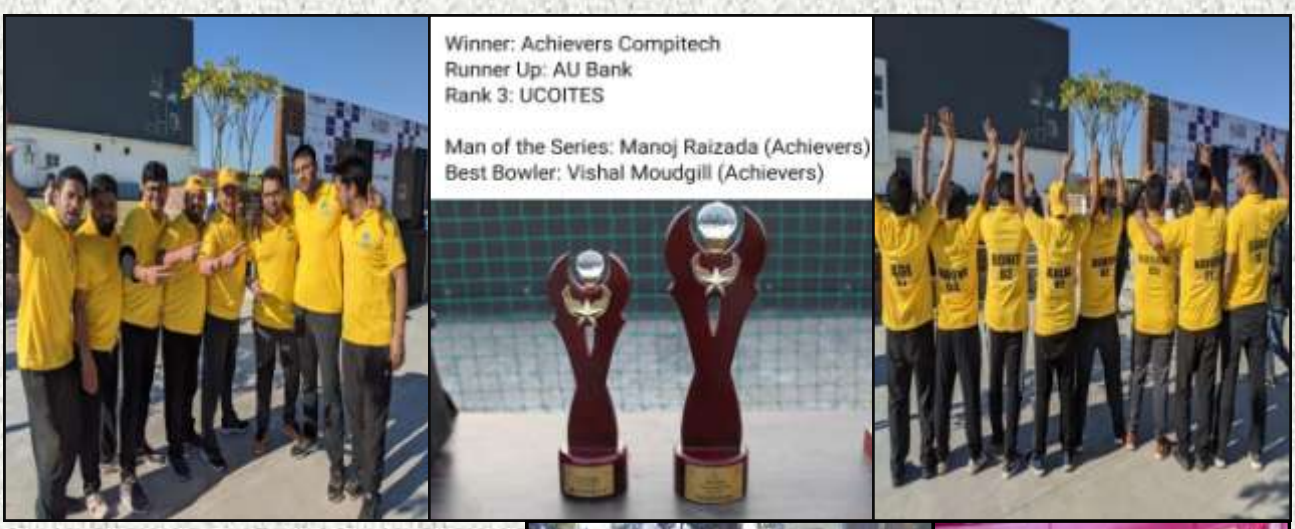

संघोल शाखा द्वारा "खाता खोलने हेतु शिविर" का आयोजन

20 जनवरी 2020 को लेहरागागा शाखा में “ग्राहक-बैठक” का आयोजन किया गया | श्री कपिल सेठ, अंचल प्रबन्धक महोदय ने सभी सम्मानित ग्राहकों को बैंक की विभिन्न योजनाओं और डिजिटल उत्पादों के विषय में विस्तार से बताया | बेला एवं भल्लान शाखा द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया | “ढाबा कोकरियर” शाखा द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया |

गुरु-पर्व के अवसर पर हमारी लुधियाना जिले की शाखाओं द्वारा मिलकर वैन में नगर कीर्तन का आयोजन किया गया एवं यह वैन शहर के सभी भागों से होकर निकली |

अंचल के सभी स्टाफ सदस्यों को स्टेट बैंक के क्रेडिट कार्ड अधिकारियों द्वारा स्टेट बैंक क्रेडिट कार्ड की विस्तृत जानकारी दी गई एवं अंचल कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा क्रेडिट कार्ड हेतु आवेदन किया गया |

दिनांक 21 जनवरी को भटिंडा में कार्य-निष्पादन बैठक का आयोजन किया गया | यह बैठक भटिंडा, मानसा, मुकसर, फाजिल्का एवं बरनाला जिले की शाखाओं हेतु आयोजित की गई | श्री कपिल सेठ, अंचल प्रबन्धक ने सभी शाखा प्रबन्धकों के व्यावसायिक कार्यों की समीक्षा की | अंचल प्रबन्धक महोदय ने सभी शाखा प्रबन्धकों को शाखा में बेहतरीन ग्राहक-सेवा देने को कहा |

राजभाषा

क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र

क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, चंडीगढ़ में प्रशिक्षण हेतु आने वाले सभी शाखा प्रमुख एवं सहायक शाखा प्रमुख के प्रशिक्षण के दौरान एक सत्र "मेडिटेशन" का भी रखा जाता है | जिसके अंतर्गत सभी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मेडिटेशन किया जाता है | यह सत्र सभी प्रतिभागियों के लिए बहुत ही उपयोगी रहता है |

12 फरवरी को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, चंडीगढ़ में 6 अंचल कार्यालयों से आए प्रशिक्षणार्थियों हेतु "आशु भाषण प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया | इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में श्री जयंत कुमार बिस्वास, प्राचार्य एवं उप महाप्रबंधक; श्री जे॰पी॰ सहोता, सहायक महाप्रबंधक; श्री पद्मनाभ पाण्डेय, मुख्य प्रबन्धक थे | प्रतियोगिता के सफल आयोजन में क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के सभी स्टाफ सदस्यों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई | "आशु भाषण प्रतियोगिता" में लगभग 30 प्रतिभागियों ने अपने विषय से संबन्धित विचार रखे | अंत में प्रथम तीन प्रतिभागियों को निर्णायक मण्डल द्वारा पुरस्कृत किया गया |

जिंदगी को खुश रहकर जियो क्योंकि रोज शाम सिर्फ
सूरज ही नहीं ढलता आपकी अनमोल जिंदगी भी ढलती है |

यूको राजभाषा सम्मान

पंजाब विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा 28 फरवरी 2020 को "कृष्ण किशोर ग्रोवर एवं अविनाश चंद्र बाली" भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया | यह प्रतियोगिता (इंटर कॉलेज) प्रतिवर्ष पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाती है |

यूको बैंक राजभाषा सम्मान पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित इसी व्याख्यान माला कार्यक्रम में दिए गए| "राजभाषा सम्मान" के अंतर्गत पंजाब विश्वविद्यालय के अंतर्गत एम॰ए॰ (हिन्दी) में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 2 विद्यार्थियों को 5000 रु॰ (प्रत्येक) एवं स्मृतिका से श्री ए॰ मोहन राम, सहायक महाप्रबंधक द्वारा सम्मानित किया गया | श्रीमती नीलम एवं श्रीमती पूजा द्वारा "राजभाषा सम्मान" प्राप्त किया गया | इस कार्यक्रम में डॉ गुरमीत सिंह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग; श्री ताशी, वरिष्ठ प्रबन्धक, मार्केटिंग विभाग, डॉ हेमलता, प्रबन्धक (राजभाषा) एवं हिन्दी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय के सभी असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विधार्थीगण भी उपस्थित थे |

क्र.स.	नाम	पिता का नाम	अंक	परिणाम
1	सुश्री पूजा चौहान	श्री धीर सिंह चौहान	1215/1600	प्रथम
2	सुश्री नीलम	श्री धन प्रसाद	1205/1600	द्वितीय

हिन्दी लोकप्रिय कार्यक्रम में सहयोग

चंडीगढ़ में एम॰सी॰एम॰ डी॰ए॰वी॰ विश्वविद्यालय (महिला), सेक्टर 36 द्वारा 2 दिन का हिन्दी लोकप्रिय कार्यक्रम **"मेराकी-2020"** का आयोजन किया गया | यह कार्यक्रम 28-29 फरवरी को आयोजित था जिसमें ट्राईसिटी के कुल 20 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने 5 ऑनलाईन एवं 20 इनडोर प्रतियोगिताओं में भाग लिया | यह चंडीगढ़ के युवा वर्ग में सर्वाधिक हिन्दी लोकप्रिय कार्यक्रम है जिसमें लगभग 2000 विद्यार्थी शामिल होते है | महिला कॉलेज द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में नृत्य प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, गायन, क्विज आदि भी शामिल थे | इस कार्यक्रम में हमारे अंचल कार्यालय द्वारा 10,000 रुपये की राशि सहयोगार्थ प्रदान की गई | कॉलेज प्रशासन ने एतदर्थ "यूको बैंक" को धन्यवाद दिया |

इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक संस्थाएँ ऑडी एवं कोका-कोला थे | दो दिनों के इस कार्यक्रम में हमारे बैंक द्वारा स्टॉल भी लगाई गई एवं कॉलेज में हमारे बैंक के विभिन्न जमा-ऋण योजनाओं के बैनर भी लगाए गए | स्टॉल पर हमारे अंचल की मार्केटिंग टीम के स्टाफ सदस्यों ने इस कार्यक्रम के आगंतुकों को बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं से अवगत करवाया | हमारे बैंक की गृह ऋण एवं कार ऋण योजनाओं हेतु कुछ व्यक्तियों ने स्टॉल पर भी संपर्क किया |

खुली आंखो का सपना

ये काम बनाने का आइडिया किसी के मन में आया तो होगा,
जिसने इस कागज के टुकड़े को पैसा बनाया होगा
अगर बिन पैसे के सब कुछ मिलता
तो इंसान इंसान से न लड़ता
भाई भाई से न बिछुडता
न नौकरी की टेंशन होती न बिज़नस का झमेला होता
न फेमली से दूर जाने का डर होता
सब साथ साथ रहते, मौज मनाते

काश I dream of Jeanie की तरह पलक झपकते ही सब कुछ आ जाता
और तो और सलमान खान भी आ कर पैर दबा जाता
हवा में इक लंबी छलाँग लगाते ही - world tour भी हो जाता
संजय ने जैसे महाभारत का हाल धतराष्ट्र को सुनाया था
काश, दिव्य दृष्टि मेरे भी पास होती, वर्ल्ड न्यूज़ सुनने में भी दुनिया में खास होती
जितना चाहे सोते, जब चाहे उठते
जब चाहे खाते जब चाहे पीते

सब कुछ सबके पास होता, रोज हाथ में एक नया जाम होता
न कोई बद होता न कोई बदनाम होता
हर एक गली का नाम मोहब्बत वाली गली नाम होता
इश्क का बाजार न होता, ठगी का व्यापार न होता
काश की सिरियस रहने वाले लोग भी थोड़ा मुस्कुराते
हमे कोई ऐतराज न था,
अगर वो राखी सांवत के साथ डांस कर आते

काश की ये बच्चे भी खुद ब खुद बड़े हो जाते
इनको स्कूल भेजने की टेंशन से हम भी निजात पाते
गुल्ली डंडा, छुपन छुपाई के खेलो में मगन रहते
हजारो के महंगे खिलौने देने में हम उन्हे डांट ना पिलाते

ना फ़ैशन की होड होती, ना शो ऑफ का चक्कर होता,
सब कुछ सबके पास होता सबका सपना साकार होता
काश टाइम ही टाइम होता सबके पास, मोबाइल फोन की ना होती किसी को आस
एम डी सर ऊंची सी आवाज लगाते, जी एम सर को सामने पाते
आमने सामने बात होती, कान भरने वालों की सौगात ना होती
सबके ऑफिस के रिलेशन सबसे अच्छे होते,चापलूसों के सपने ना पूरे होते।
ना कोई नंबर होता, ना ये पैसा होता,
दो दूनी चार में इंसान ना फंसा होता
बाइक से कार का चक्कर ना होता
दो बेडरूम के फ्लैट से बँगले में घन चक्कर ना होता
मेरा खुली आंखो का सपना, सबको घूमा गया ,
सपना तो टूट गया, मेरा दिल तो रूठ गया॥

शैली सचदेवा
वरिष्ठ प्रबन्धक (विधि)
अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

पलायन - एक विवशता

है ये मासूम कितना मजबूर
खेलने की उम्र में
चला कितनी दूर |
थी लंबी दूरी
पैदल ही की पूरी,
तेज धूप ने थकाया था
पर इस मासूम ने तो
पत्थर को ही
अपना बिस्तर बनाया था |
हाथ पकड़ माँ का
चला वो
अपने गाँव |
जहाँ है अपने उसके
मुश्किल में देंगे साथ,
हर डर को हरा कर
नंगे ही चल पड़े थे
उसके पाँव |
चेहरे पर है उम्मीद
ले जा रही है
माँ कहीं दूर
ना ट्रेन ना बस
ना मिला शहर की सेवा
का कोई प्रतिफल |
रोटी है हाथ
परिवार है साथ
चल पड़ा फिर एक बचपन
अपने पिता के जन्मस्थान |

डॉ हेमलता

खौफ करो..... ना

है खौफ का साया हर ओर
एक तूफान सा आया है,
नहीं सलामत कोई रूह यहां
ये कैसा मंजर छाया है।

हर रोम कांप उठता है
जब कदम बाहर निकलता है,
डर नहीं है खुद का किसी को
बस एक मासूम चेहरा नजर आता है।

क्यूँ ये कुदरत का कहर बरसा है
हर अपने में छुपा बेगाना दिखा है,
बंद है सब अपने, अपनों के साथ
ये खुशनुमा वक्त भी सजा में कटा है।

ना सोचा था किसी ने कभी
कि वक्त ऐसा भी आएगा,
मौत के इस भयावह मंजर से
विश्व में कोई बच ना पायेगा।

धरा रह जायेगा रुतबा और दौलत
इंसानियत का परचम ही लहराएगा,
न जाने ये विषाक्त कणों का कहर
कब किसके संग हो जायेगा।

मिल रही है बिन गुनाह की सजा
ये सदियों से होता आया है,
पर संक्रमण के ऐसे दौर से
खुद यम भी देख घबराया है।

रखना होगा अब ये याद
हर कदम अगर निकला बाहर,
लेन-देन के इस कुचक्र से
छूट जाएगा उसका सबसे साथ।

मजबूर हूँ....

मजबूर हूँ क्योंकि अब तक आदमी हूँ .... ।
मजबूर हूँ अपने संस्कारों से ....
मजबूर हूँ अपनी आशाओं से ....
मजबूर हूँ अपनी बकबक से ....
मजबूर हूँ अपनी आदतों से ....
मजबूर हूँ क्योंकि अब तक आदमी हूँ .... ।

मजबूर हूँ किसी में जीने को ....
मजबूर हूँ किसी को जीने को ....
मजबूर हूँ सभी को अपना कहने को ....
मजबूर हूँ किसी के दुखों को ओढने को
मजबूर हूँ क्योंकि अब तक आदमी हूँ .... ।

मजबूर हूँ किसी के अरमान बांटने को ....
मजबूर हूँ वक्त के थपेड़े खाने को ....
मजबूर हूँ सर्वदा मुस्कुराने को ....
मजबूर हूँ तोहफे का मुखौटा ओढने को ....
मजबूर हूँ क्योंकि अब तक आदमी हूँ .... ।

मजबूर हूँ ये जान लोगे तो अच्छा ....
मजबूर हूँ अपनाओगे तो अच्छा ....
मजबूर हूँ अपने उसूलों में ही जीने का ....
मजबूर हूँ दर-दर इंसानियत की भीख मांगने को ....
मजबूर हूँ क्योंकि अब तक आदमी हूँ .... ।

मजबूर हूँ क्योंकि अब तक आदमी हूँ .... ।
मजबूर हूँ .... ।

श्री पद्मनाभ पाण्डेय
मुख्य प्रबन्धक
क्षेत्रीय निरीक्षणालय, चंडीगढ़

मैं शिक्षक हूँ, यदि मेरी शिक्षा में सामर्थ्य है तो
अपना पोषण करने वाले सम्राटों का निर्माण मैं स्वयं कर लूँगा |

चाणक्य

मेरी तितली

11 जून का दिन था, वो दिन भी क्या हसीन था ।
दिल में उमडते भावों का सैलाब था ।
ज़ेहन में आने वाली जिम्मेदारियों का अहसास था ।
शायद हमारी दुआ खुदा को भा गई ।
और एक प्यारी सी मासूम तितली मेरे घर आ गई ।
आँखों में खुशी के आँसूंओं की धार थी ।
मानो दिल में मेरे, वसंत-ए-वहार थी ।
परिवार में खुशियों का दौर था ।
बधाईयों का सिलसिला चारों और था ।
जैसे जैसे बडी हुई, प्यार उसके लिए गहरा रहा था ।
उसकी शरारतें देख-देख, जीने का मजा आ रहा था ।
दिन भर की थकान मिट जाती थी, एक प्यारी सी मुस्कान से जिसकी ।
पता नही क्यों खुदा को नामन्जूर थी दोस्ती, मेरी और उसकी ।
वक्त ने फिर वो काला दिन भी दिखा दिया ।
जिसने मेरी रूह तक को भी हिला दिया ।
वो उड गई एक दिन, मेरे जीवन की शाख से ।
मुझे पीछे छोड गई, ना जीने की आस से ।
रोते है अब घुट-घुट के उसकी याद में ।
एक दिन वो वापिस आएगी, बस इसी झूठी आस में ।
सोते जागते दिखती है वो मुझे, मेरी आँखों के सामने ।
आँसू छलकते है और साँसे लग जाती है दिल को थामने ।
अब ना कुछ पाने की इच्छा है, ना कुछ खोने का गम है ।
वो थी तो सब कुछ था, वो नहीं तो यह आसमां भी कम है ।
आँसू पहले भी थे अब भी है, बस उनका व्यवहार बदल गया ।
वो छोड के क्या गई मुझे, मेरा तो पूरा संसार बदल गया ।

आशीष कुमार
प्रबंधक
कोहाड़ा शाखा

भ्रष्टाचार मिटाओ नया भारत बनाओ

देश के हर स्तर पर भ्रष्टाचार का प्रचलन है। सरकार और साथ ही निजी क्षेत्र के लोगों द्वारा कई बड़े और छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए भ्रष्ट मार्गों और अनुचित तरीकों का उपयोग किया जाता है। इसका एक कारण यह है कि लोग कड़ी मेहनत किए बिना बड़ी रकम पाना चाहते हैं लेकिन हम ऐसी बुरी प्रथाओं को प्रयोग में लाकर कहां जा रहे हैं? निश्चित रूप से विनाश की ओर! हम में से हर एक को किसी भी प्रकार का भ्रष्ट व्यवहार नहीं करना चाहिए। यह भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में पहला कदम होगा। हालांकि व्यक्तिगत रूप से देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने की दिशा में काम कर सकते हैं लेकिन अगर समस्या को उसकी जड़ों से खत्म करना है तो सरकार का हस्तक्षेप आवश्यक है। भारत सरकार को इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए सख्त कानून बनाने चाहिए। किसी भी तरह की भ्रष्ट प्रथाओं में शामिल लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाना चाहिए।

देश के कतिपय सरकारी अधिकारी काम के प्रति अपने प्रतिरक्षित दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। लोगों को विभिन्न सरकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए वे बिना किसी झिझक के रिश्वत लेते हैं। इन गैर-प्रथाओं पर कोई जांच नहीं की जाती। सरकारी दफ्तरों में रिश्वत लेना और सत्ता में बैठे लोगों के लिए काम करना एक आम प्रवृत्ति है। ऐसा ज़रूरी नहीं है कि हर सरकारी अधिकारी भ्रष्ट है। कुछ अधिकारी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं लेकिन विडंबना यह है कि जो लोग सही तरीके से काम करते हैं वे कम मात्रा में पैसा कमाते हैं और जो लोग भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल करते हैं वे अच्छा मात्रा में पैसा कमाते हैं तथा बेहतर जीवन जीते हैं। इस रास्ते पर चल कर मिलने वाले लाभों को देखते हुए जिन लोगों को भ्रष्ट तरीकों का पालन मंज़ूर नहीं था वे भी इस मार्ग पर चलने के लिए तैयार हैं।

इसका मुख्य कारण यह है कि इन प्रथाओं में शामिल लोगों को पकड़ने या दंडित करने के लिए कोई भी नहीं है। अगर सरकार इन कर्मचारियों की बारीकी से निगरानी करती है और उन्हें सज़ा देती है तभी ये प्रथाएं समाप्त हो सकती हैं। रिश्वत देना भी रिश्वत लेने जितना बुरा है। हम इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते हैं कि हमने हमारे माता-पिता या रिश्तेदारों को किसी समय रिश्वत देते हुए देखा है। चौराहों पर लाल बत्ती को पार करने के लिए यातायात पुलिस को धन की पेशकश करने या तारीख निकलने के बाद फार्म जमा करने के लिए पैसे की पेशकश करना आम बात है।

यद्यपि हम जानते हैं कि यह नैतिक रूप से गलत है और हम भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं लेकिन फिर भी हम यह सोचते हैं कि इससे हमें लाभ मिलेगा और यह कुछ समय के लिए है तथा शायद ही इसका कोई बड़ा प्रभाव भविष्य में पड़ेगा। हालांकि अगर हमें यह पता चल जाए कि इससे हमें बहुत बड़ा नुकसान पहुंचेगा और ऐसा करने से हम संकट में पड़ सकते हैं तो हम ऐसा बिल्कुल भी नहीं करेंगे। अगर हमें यह पता चल जाए कि ऐसा करने से हम पर जुर्माना लगाया जा सकता है या हमारे लाइसेंस को जब्त किया जा सकता है या हम ऐसी किसी भी चीज में शामिल होने के लिए सलाखों के पीछे डाला जा सकता है तो हम उसमें शामिल होने की हिम्मत नहीं करेंगे।

हमारे देश का मीडिया काफी मजबूत है। इसे बोलने और अपनी राय व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। भ्रष्ट अधिकारियों को बेनकाब करने के लिए इस अधिकार का पूरा उपयोग किया जाना चाहिए। मीडिया को नियमित रूप से स्टिंग ऑपरेशन करने चाहिए और भ्रष्ट प्रथाओं में शामिल होने वाले लोगों का नाम उजागर करना चाहिए। यह केवल दोषी को सबक ही नहीं सिखाएगा बल्कि आम जनता में डर भी पैदा करेगा। वे भ्रष्ट तरीकों का उपयोग करने से पहले दो बार सोचेंगे।

यह आम व्यक्तियों, मीडिया और सरकार का संयुक्त प्रयास है जो भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में मदद कर सकता है। उन्हें देश को जीने के लिए बेहतर स्थान बनाने के लिए साथ मिलकर काम करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

अमित कुमार मिश्रा
वरिष्ठ प्रबन्धक
क्षेत्रीय निरीक्षणालय, चंडीगढ़

जीना अपने ही में

जीना अपने ही में... एक महान कर्म है।
जीने का हो सदुपयोग... यह मनुज धर्म है।
अपने ही में रहना... एक प्रबुद्ध कला है।
जग के हित में... सबका सहज भला है।
जग का प्यार मिले... जन्मों के पुण्य चाहिए।
जग जीवन को... प्रेम सिंधु में डूबना चाहिए।
ज्ञानी बनकर... मत नीरस उपदेश दीजिए।
लोक धर्म भव सत्य.. प्रथम सत्कर्म कीजिए।

श्री सुमित्रानंदन पंत

ईमानदारी - एक जीवन शैली

जिस प्रकार मनुष्य को अपने शरीर का सन्तुलन बनाए रखने एवं अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए स्वस्थ रीढ़ की हड्डी की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार "ईमानदारी" मनुष्य को जीवन में सफलता दिलाने के लिए रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करती है । इतिहास इस बात का साक्षी है कि बहुत सारे ईमानदार राजनेताओं/वैज्ञानिकों जैसे लाल बहादुर शास्त्री, अब्राहम लिंकन, आइंस्टीन ने ईमानदारी एवं उसके बल पर किए गए महान कार्यो के फलस्वरूप दुनिया में अपनी पहचान बनाई थी।

हमारे देश में ज्यादातर माता-पिता बचपन से ही अपने बच्चों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाते है क्योंकि वह जानते हैं कि जीवन में प्रत्येक रिश्ते की बुनियाद भरोसे पर टिकी होती है और यह भरोसा केवल ईमानदारी से प्राप्त किया जा सकता है । हम सभी जानते हैं कि बैंकिंग के क्षेत्र में भरोसे का अहम रोल है क्योंकि यदि लोग बैंकों एवं उसमें कार्यरत लोगों पर भरोसा नहीं करते तो वह मेहनत से कमाई हुई अपनी धनराशि को कदापि बैंक में जमा नहीं करते तो ऐसे हालात में बैंक जरूरतमंद लोगों को ऋण कैसे प्रदान कर पाते । मनुष्य के जीवन का कोई भी क्षेत्र चाहे वह पारिवारिक हो अथवा व्यवसायिक इनमें एक दूसरे पर भरोसा होना अत्यन्त आवश्यक है अन्यथा यह रिश्ते ज्यादा दिनों तक टिके नहीं रहते और बिखर जाते हैं इसलिए हमारा ईमानदार होना जरूरी है । ईमानदार होने से लोगों का हम पर भरोसा बना रहता है और यह हमारे वास्तविक चरित्र को भी प्रदर्शित करता है जिससे रिश्तों में मजबूती आती है ।

समाज में भ्रष्ट लोगों के रहन-सहन और ठाठ बाठ को देखकर कई बार ईमानदार लोगों की ईमानदारी डगमगाने लगती है लेकिन जब वह इस पर गहराई से विचार करता है तो उनको ईमानदारी की राह ही अच्छी लगती है । ईमानदार लोग शान्तिपूर्ण तरीके से अपने जीवन का निर्वाह करते हैं और सदैव खुश रहते हैं क्योंकि उन्हें इनकम टैक्स/पुलिस इत्यादि का कोई खतरा नहीं होता जबकि दूसरी तरफ भ्रष्ट लोग गलत तरीके से कमाई हुई दौलत में खुशियां ढूंढते नजर आते है और हर समय चिन्ताग्रस्त रहते हैं। ऐसे भ्रष्ट/बेईमान एवं झूठे लोगों की सन्तान भी ज्यादातर वैसे ही निकलती है क्योंकि हम जानते ही है कि **"जो जैसा बोता है वैसा काटता है"** तो हम इससे कैसे अछूते रह सकते हैं ।

प्रत्येक मनुष्य जानता है कि जीवन में ईमानदारी हमें सफलता की ओर ले जाती है और अच्छा

अन्त में हम कह सकते हैं कि "ईमानदारी" हमें परमात्मा द्वारा दिया गया एक बढ़िया उपहार है जिसका प्रयोग हम अपनी संस्था के लिए कर सकते हैं । हम सभी भली भाँति जानते है कि बहुत सारे देशों के राजनेताओं ने अपने नागरिकों का भरोसा जीतकर अच्छे साम्राज्य की स्थापना की है और दुनिया में अपनी पहचान बनाई है ।

हम सब यूकोजन को भी एक बार फिर से अपनी ईमानदारी एवं भरोसे का प्रदर्शन करना होगा ताकि हम अपने बैंक के साथ नए ग्राहकों को जोड़ने के साथ-साथ उन सभी अच्छे ग्राहकों को भी अपने बैंक में पुन: वापिस लाना होगा जो हमारे बैंक को किसी भी वजह से छोड़कर चले गए हैं तभी हम अपने बैंक को उसका खोया हुआ सम्मान दिला सकेंगे और हमारा बैंक पुन: उन्हीं ऊँचाईयों को छूने में समर्थ हो पायेगा।

टी आर सरदाना
प्रबन्धक
कार्यनीति आयोजना विभाग
अंचल कार्यालय, चण्डीगढ़

* किसी ने भगवान से पूछा, "सवेरा तो रोज ही होता है परंतु शुभप्रभात क्या होता है?"
भगवान ने बहुत ही सुंदर उत्तर दिया, "जीवन में जिस दिन आप अपने अंदर की बुराईयों को समाप्त कर उच्च तथा अपनी आत्मा को शुद्ध करके दिन की शुरुआत करते हो वही शुभप्रभात होता है।"

* पृथ्वी पर ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है
जिसको समस्या ना हो,
और कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका
कोई समाधान ना हो,
मंज़िले चाहे कितनी भी ऊँची क्यों ना हो
उसके रास्ते हमेशा
पैरों के नीचे से ही जाते है |

* लगातार हो रही असफलताओं से
निराश नहीं होना चाहिए...
कभी-कभी गुच्छे की आखिरी चाबी
ताला खोल देती है |
अत: सदा सकारात्मक रहे |

* बीता हुआ कल कभी बदला नहीं जा सकता,
लेकिन आने वाला कल हमेशा आपके हाथ में होता है |

क्षेत्रीय भाषा- पंजाबी

कविता- कुँझ खिआल

ਜੇ ਆਇਆ ਏਂ ਤਾਂ ਬੈਠ ਜਾ
ਕੁੱਝ ਕੁ ਪਲ, ਆਰਾਮ ਕਰ

ਕਾਫ਼ੂਰ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇ ਸ਼ਫ਼ਾ
ਕੋਲ ਬਹਿ, ਸਹਰੋਂ-ਸ਼ਾਮ ਕਰ

ਕੁੱਝ ਤੇ ਮੁਦਾਫਤ ਮੇਰੇ ਗੀਤਾਂ ਲਈ
ਕੁੱਝ ਨਿੰਦਾ, ਯਾ ਅਹਿਤਰਾਮ ਕਰ

ਫਿਰੇਂ ਭਾਲਦਾ, ਦਰ ਦਰ ਤੇ ਕਿਉਂ
ਇੱਕ ਮੁਸਕਰਾਹਟ, ਬੇਨਾਮ ਕਰ

ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਕਰ, ਮਸ਼ਹੂਰ ਦੇ
ਚਾਹੇ ਤੂੰ ਜੱਗ, ਬਦਨਾਮ ਕਰ

ਮੇਰੇ ਸਾਹਾਂ ਵਿੱਚ ਤੇਰੀ ਖੁਸ਼ਬੂ ਭਰ
ਮੇਰੇ ਇਸ਼ਕ ਦਾ, ਬੁਰਹਾਨ ਧਰ.....
ਕਾਫ਼ੂਰ

ਸਿਮਰ ਪਾਲ ਸਿੰਘ/सिमर पाल सिंह
ਸ਼ਾਖਾ ਰੂੰਮੀ/रूमी शाखा

आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा- ऐतिहासिक महत्त्व

होला महॱला ख़ालसाई जाहो-जलाल दा प्रतीक अते कौमी जोड़ मेला है। इह मेला ख़ालसा पंथ दे जनम असथान तख़त स्री केसगड़्ह साहिब विखे धारमिक प्रंपरावां नाल मनाइआ जांदा है। इस दिन अनंदपुर साहिब समेत समुॱचा इलाका ख़ालसाई रंग 'च रंगिआ जांदा है। ख़ालसा पंथ होली नहीं, होला खेड़दा है अते महॱला कॱढदा है। **होली तों अगले दिन, अनंदपुर साहिब विच केसगड़्ह साहिब दे सथान उते, इक मेला भरदा है, जिस नूं 'होला महॱला' कहिंदे हन।** इस मेले दा मुॱढ गुरु गोबिंद सिंघ ने संमत 1757 गलत इतिहास बणा के मिथिहास परचलत ना करे चेत दी इॱक तरीक नूं रॱखिआ। उन्हां ने ख़ालसे नूं सशतर-विॱदिआ ते युॱध-कला विॱच निपुंन करन लई दे दल बणा के, उन्हां विच मसनूई लड़ाई करवाई ते बहादर योधिआं नूं सिरोपे बख़से। उदों तों हर साल अनंदपुर विच होली तों अगले दिन होला महॱला मनाइआ जाण लॱगा। इस दिन इॱक वॱडा जलूस जिस नूं 'महॱला' कहिंदे हन, नगारिआं दी धुनी विच, सज-धज नाल इक गुरधाम तों दूजे गुरधाम तॱक निकलदा है। इस जलूस विच निहंग सिंघ, पुरातन फ़ौजी आन शान नाल शामल हुंदे अते शसतरां दे दसतकार विखादे हन।

'होला' अरबी भाशा दे शबद हूल तों बणिआ है जिसदे अरथ भले कंमां लई जूझणा, सीस तली 'ते धर के लड़ना, तलवार दी धार 'ते चॱलणा कीते गए हन। महॱला शबद दे अरथ हन उह असथान जिॱथे फ़तहि करन तों बाअद टिकाणा कीता जावे। दसमेश पिता जी ने निॱधर चुॱके समाज दे दॱबे-कुचले अते लिताड़े जा रहे मनुॱखां नूं आपणी होंद दा अहिसास ते सवैमान महिसूस करवाउण, उन्हां विच निडरता ते निरभैता भरन अते सूरबीर योधे बणाउण लई ख़ालसा पंथ दी सथापना कीती। उन्हां ने चरन पाहुल दी थां खंडे-बाटे दा अंमृित ते होली दी थां होला-महॱला प्रचलित कीता। आज़ादी प्रापत करन अते जोश़ पैदा करन लई गुरु जी ने जिथे नवां जीवन बखशि़आ उथे भारती समाज नूं उन्हां दे रीती-रिवाजां अते तिउहार मनाउण दे ढंगां विच वी इनकलाबी तबदीलीआं लिआंदीआं। भाई कान्ह सिंघ अनुसार- होले दे अरथ हमला जा हॱला करना है। ड़ा. वणजारा बेदी ने 'मुहॱला' नूं अरबी दे शबद महलॱहे दा तदभव दॱसिआ है।

ਜਿਸ ਦਾ ਭਾਵ ਉਸ ਸਥਾਨ ਤੋਂ ਹੈ ਜਿੱਥੇ 'ਫ਼ਤਹ' ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਟਿਕਾਣਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ। — *ਕਵੀ ਸੁਮੇਰ*

ਪਹਿਲਾ ਇਹ ਸ਼ਬਦ ਇਸੇ ਭਾਵ ਵਿਚ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਜਦੋਂ ਸਿਖੇ ਹੋਏ ਅਸਥਾਨ ਉੱਪਰ ਕੋਈ ਦਲ ਕਾਬਜ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਤਾਂ ਉੱਥੇ ਹੀ ਦਰਬਾਰ ਲੱਗਦਾ ਹੈ ਸ਼ਾਸਤਰਧਾਰੀ ਤੇਗਜ਼ਨੀ ਦੇ ਕਮਾਲ ਵਿਖਾਉਂਦੇ ਪਰ ਹੌਲੀ-ਹੌਲੀ ਇਹ ਸ਼ਬਦ ਜਲੂਸ ਲਈ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਹੋ ਗਿਆ ਜੋ ਫ਼ੌਜੀ ਸੱਜ ਪੱਜ ਕੇ ਨਗਾਰਿਆਂ ਦੀ ਚੋਟ ਨਾਲ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਇਕ ਗੁਰਧਾਮ ਤੋਂ ਦੂਜੇ ਗੁਰਧਾਮਾ ਦੀ ਯਾਤਰਾਂ ਲਈ ਨਿਕਲਦਾ ਸੀ।

ਔਰਨ ਕੀ ਹੋਲੀ ਮਮ ਹੋਲਾ। ਕਹਯੋ ਕ੍ਰਿਪਾਨਿਧ ਬਚਨ ਅਮੋਲਾ। ਹੋਲਾ ਮੁਹੱਲਾ ਪੁਰਬ ਦਾ ਮੁੱਢ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਨੇ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਕਿਲ੍ਹੇ ਵਿਚ, ਚੇਤ ਵਦੀ ਏਕਤ ਸੰਮਤ 1757 ਨੂੰ ਬੰਨ੍ਹਆ। ਇਤਿਹਾਸਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦਵਾਨਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਹੋਲੀ ਨੂੰ ਇਕ ਨਵੀਂ ਉਪਮਾ ਹੋਲਾ ਮੁਹੱਲਾ ਦੇਣ ਦਾ ਮਨੋਰਥ ਸਿੱਖ ਨੂੰ ਅਨਿਆਂ, ਜੁਲਮ ਉੱਤੇ ਸੱਚ ਅਤੇ ਨਿਆਂ ਦੀ ਜਿੱਤ ਦਾ ਸੰਕਲਪ ਦ੍ਰਿੜ ਕਰਵਾਉਣਾ ਸੀ। ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਮੁਰਦਾ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਭਾਰਤੀ ਖਲਕਤ ਨੂੰ ਉਸ ਵੇਲੇ ਦੇ ਜਾਬਰ ਤੇ ਜਾਲਮ ਹਾਕਮਾਂ ਖਿਲਾਫ ਸੰਘਰਸ਼ ਕਰਨ ਤੇ ਕੌਮ 'ਚ ਜੋਸ਼ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਪੁਰਾਤਨ ਹੋਲੀ ਦੇ ਤਿਉਹਾਰ ਨੂੰ ਨਵਾਂ ਰੂਪ ਦੇ ਕੇ 1701 ਈ: 'ਚ ਹੋਲੇ ਮਹੱਲੇ ਦੀ ਪ੍ਰੰਪਰਾ ਆਰੰਭ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲੋਂ ਖਾਲਸਾਈ ਫੌਜਾਂ ਦੇ ਦੋ ਮਨਸੂਈ ਦਲਾਂ 'ਚ ਸਾਸ਼ਤਰ ਵਿਦਿਆ ਦੇ ਜੰਗੀ ਮੁਕਾਬਲੇ ਕਰਵਾਏ ਜਾਂਦੇ ਸਨ ਤੇ ਚੰਗਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਸੀ । ਅੱਜ ਵੀ ਉਸੇ ਰਵਾਇਤ ਅਨੁਸਾਰ ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ ਮਨਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਭਾਰਤ ਵਾਸੀਆਂ ਨੇ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਕਾਲ ਤੋਂ ਹਰੇਕ ਰੁੱਤ ਦੇ ਬਦਲਣ 'ਤੇ ਆਪਣੇ ਦਿਲੀ ਭਾਵਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਗਟਾਵਾ ਕਰਨ ਲਈ ਤਿਉਹਾਰ ਨੀਯਤ ਕੀਤੇ ਹੋਏ ਹਨ। ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬਾਨ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰੰਪਰਾਗਤ ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਵਿਚ ਨਰੋਆ ਅਤੇ ਰਹੱਸਮਈ ਪਰਿਵਰਤਨ ਲਿਆਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ। ਇਸ ਲਈ ਸਤਿਗੁਰਾਂ ਨੇ ਜਿਹੜਾ ਗੁਰਮਤਿ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਸਿਰਜਿਆ ਉਸ ਵਿਚ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਭਾਰਤੀ ਤਿਉਹਾਰਾਂ ਨੂੰ ਪਰਮਾਰਥ ਦੇ ਅਰਥਾਂ ਵਿਚ ਬਦਲ ਕੇ ਰੂਪਮਾਨ ਕੀਤਾ ਤਾਂ ਕਿ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਕੋਈ ਉਸਾਰੂ ਸੇਧ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇ। ਖ਼ਾਲਸੇ ਵਲੋਂ ਹੋਲਾ ਤਲਵਾਰਾਂ, ਬਰਛਿਆਂ ਅਤੇ ਨੇਜ਼ਿਆਂ ਨਾਲ ਖੇਡਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਹੋਲੀ ਦਾ ਇਹ ਬਦਲ ਹੋਲੇ-ਮਹੱਲੇ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਨਵ-ਸੰਕਲਪ ਵਜੋਂ ਸੀ।

ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਦਾ ਮਸ਼ਹੂਰ ਮੇਲਾ ਹੈ। ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ ਮਨੁੱਖ ਦੀ ਆਜਾਦੀ ਬਹਾਦਰੀ ਤੇ ਦਾਨਸ਼ਮੰਦੀ ਦਾ ਪ੍ਰਤੀਕ ਹੈ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਸਿੱਖ ਨੂੰ ਸਿੰਘ ਖਾਲਸਾ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਹਿਮਾ ਭਰਮਾਂ ਨੂੰ ਖਤਮ ਕਰਕੇ ਇਕ ਸ਼ਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਕੌਮ ਦੀ ਸਿਰਜਣਾ ਕੀਤੀ। ਗੁਰੂ ਜੀ ਨੇ ਸਮਾਜ ਵਿੱਚੋਂ ਊਚ-ਨੀਚ, ਭਿੰਨ-ਭੇਦ ਮੁਕਾ ਕੇ ਹੀ ਖੁਸ਼ੀ ਵਜੋਂ ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ ਸਨਾਉਣ ਆਰੰਭਿਆ। ਜਦੋਂ ਹੋਲੇ ਮਹੱਲੇ ਦਾ ਜਲੂਸ ਕਢਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸਦੇ ਅੱਗੇ-ਅੱਗੇ ਯੁੱਧ ਕਲਾ ਦਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਨੇ ਸਮੇਂ ਦੀ ਮੰਗ ਅਨੁਸਾਰ ਮਨੁੱਖਤਾ ਦਾ ਮਨੋਬਲ ਉੱਚਿਆਂ ਚੁੱਕਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਸਰੀਰਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਲਵਾਨ ਕਰਨ ਦੇ ਨਵੇਂ ਸਾਧਨ ਅਪਣਾਏ ਭਗਤੀ-ਸ਼ਕਤੀ ਦੇ ਆਦਰਸ਼ਕ ਸੁਮੇਲ ਲਈ ਸ਼ਸਤਰਾਂ ਦੇ ਸਤਿਕਾਰ ਅਤੇ ਸਹੀ ਪ੍ਰਯੋਗ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੱਤਾ। ਇਸੇ ਪਰਿਵਰਤਨ ਤਹਿਤ ਖ਼ਾਲਸਾ ਪੰਥ ਵਿਚ ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ ਪੁਰਬ ਦਾ ਮੰਤਵ ਅਤੇ ਉਦੇਸ਼ ਬੜੇ ਉਸਾਰੂ ਅਤੇ ਸਾਰਥਕ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪ੍ਰਗਟ ਕੀਤਾ।

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਖ਼ਾਲਸੇ ਨੂੰ ਯੁੱਧ-ਵਿੱਦਿਆ ਵਿਚ ਪ੍ਰਬੀਨ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਸਨ ਇਸ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ

ਤਿਉਹਾਰ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਸੂਰਮਤਾਈ ਨਾਲ ਜੋੜਿਆ। ਮਹੱਲਾ ਇਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਮਸਨੂਈ ਲੜਾਈ ਹੈ, ਪੈਦਲ ਅਤੇ ਘੋੜ-ਸਵਾਰ ਸ਼ਸਤਰਧਾਰੀ ਸਿੰਘਾਂ ਦੇ ਦਲ ਬਣਾ ਕੇ ਇਕ ਖਾਸ ਹਮਲੇ ਦੀ ਥਾਂ 'ਤੇ ਹਮਲਾ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਅਨੇਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੇ ਕਰਤੱਬ ਦਿਖਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਆਪ ਇਸ ਮਸਨੂਈ ਲੜਾਈ ਨੂੰ ਵੇਖਦੇ ਅਤੇ ਦੋਵਾਂ ਦਲਾਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਿੱਖਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਜਿਹੜਾ ਦਲ ਜੇਤੂ ਹੁੰਦਾ, ਉਸ ਨੂੰ ਦੀਵਾਨ ਵਿਚ ਸਿਰੋਪਾਓ ਬਖਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਦੇ ਸਨ। ਘੋੜਸਵਾਰੀ ਤੇ ਗਤਕੇਬਾਜ਼ੀ ਦੇ ਜੰਗਜੂ ਕਰਤੱਬ ਦੇਖਣਯੋਗ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਦੀਵਾਨ ਸਜਦੇ, ਕਥਾ ਕੀਰਤਨ ਹੁੰਦਾ, ਬੀਰਰਸੀ ਵਾਰਾਂ ਗਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਅਤੇ ਅਨੇਕ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਫੌਜੀ ਕਵਾਇਦਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ। ਹਰ ਪਾਸੇ ਚੜ੍ਹਦੀ ਕਲਾ ਦਾ ਮਾਹੌਲ ਬਣਿਆ ਰਹਿੰਦਾ। ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਕਾਰਵਾਈਆਂ ਵਿਚ ਖੁਦ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੁੰਦੇ ਅਤੇ ਸਿੱਖਾਂ ਦਾ ਉਤਸ਼ਾਹ ਵਧਾਉਂਦੇ। ਸ੍ਰੀ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਧਰਤੀ 'ਤੇ ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਮਨਾਏ ਜਾਂਦੇ ਜੰਗਜੂ ਤਿਉਹਾਰ 'ਤੇ ਸਿੰਘਾਂ ਦੀਆਂ ਆਪਸ ਵਿਚ ਲੜੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਅਭਿਆਸ ਰੂਪੀ ਮਸਨੂਈ ਲੜਾਈਆਂ ਨੇ ਭਾਰਤੀ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਨੋਬਲ ਨੂੰ ਉੱਚਾ ਕੀਤਾ। ਲੋਕ ਕਾਇਰਤਾ ਭਰੇ ਮਾਹੌਲ 'ਚੋਂ ਨਿਕਲ ਕੇ ਇਸ ਉਤਸਵ ਵਿਚ ਧੜਾ-ਧੜ ਬੜੇ ਜੋਸ਼ ਤੇ ਸਜ-ਧਜ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਣ ਲੱਗੇ। 'ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ' ਸਾਨੂੰ ਇਕ ਉਪਦੇਸ਼ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਜਦ ਤਕ ਇਸ ਜਗਤ ਵਿਚ ਮਚ ਰਹੇ 'ਮਹੱਲੇ' ਅੰਦਰ ਅਸੀਂ ਪੂਰੇ ਬਲ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਕਰਮ ਨਾਲ ਸ਼ਾਮਿਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ, ਅਸੀਂ ਹੋਰਾਂ ਕੋਲੋਂ ਪਛੜ ਜਾਵਾਂਗੇ। ਜੇ ਅਸੀਂ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਜੀਵਨ ਨੂੰ ਸਫਲ ਕਰੀਏ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਪਿਤਾ ਕਲਗੀਧਰ ਦਾ ਦੱਸਿਆ ਉਦੇਸ਼ ਚੇਤੇ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਨੂੰ ਹੋਲੇ ਮਹੱਲੇ ਤੋਂ ਸੱਚਾ ਉੱਦਮੀ ਜੀਵਨ ਲੈ ਕੇ ਆਪਣੀ ਤਕਦੀਰ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਘੜਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਦੁਆਰਾ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਹੋਲਾ ਮੁਹੱਲਾ ਕੱਢਣ ਦੀ ਰੀਤ ਵਰਤਮਾਨ ਸਮੇਂ ਵੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਨਿਹੰਗ ਸਿੰਘ ਤਖ਼ਤ ਸ੍ਰੀ ਕੇਸਗੜ੍ਹ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਅਰਦਾਸ ਕਰਨ ਉਪਰੰਤ ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਨਗਾਰਿਆਂ ਦੀ ਗੂੰਜ ਵਿਚ ਨਿਸ਼ਾਨ ਸਾਹਿਬ ਚੜ੍ਹਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤਖ਼ਤ ਸ੍ਰੀ ਕੇਸਗੜ੍ਹ ਸਾਹਿਬ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਲੱਗਣ ਵਾਲੇ ਇਸ ਮੇਲੇ ਵਿੱਚ ਦੂਰ-ਦੂਰ ਤੋਂ ਲੋਕ ਵਹੀਰਾ ਘੱਤ ਕੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ।

(ਹਜ਼ੂਰ ਸਾਹਿਬ ਨਾਦੇੜ) ਵਿਚ ਵੀ ਹੋਲੇ ਮਹੱਲੇ ਦਾ ਜਲੂਸ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ। ਜਲੂਸ ਦੇ ਅੱਗੇ ਇੱਕ ਸ਼ਿੰਗਾਰਿਆਂ ਹੋਇਆ ਨੀਲਾ ਘੋੜਾ ਚੱਲਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਪਿੱਛੇ ਸੰਗਤਾਂ। ਫਿਰ ਕੁਝ ਸੂਰਮੇ ਹਵਾ ਵਿਚ ਫਾਇਰ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਜਿਵੇਂ ਕਿਸੇ ਦੁਸ਼ਮਣ ਉੱਪਰ ਹਮਲਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੋਵੇ। ਘੋੜਾ ਬੜੀ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਦੌੜਦਾ ਹੈ ਤੇ ਉਸ ਪਿੱਤੇ ਸੰਗਤਾਂ ਦੌੜਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਸ ਨੂੰ 'ਮਹੱਲਾ' ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਹੋਲੇ ਮਹੱਲੇ ਦਾ ਜਲੂਸ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਅਤੇ ਹਜ਼ੂਰ ਸਾਹਿਬ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾਂ ਹੋਰ ਕਿਧਰੇ ਨਹੀਂ ਨਿਕਲਦਾ।

ਹੋਲਾ ਮਹੱਲਾ ਦੀ ਤਿੱਥ ਨੂੰ ਪਾਉਟਾ ਸਾਹਿਬ ਗੁਰਦੁਆਰੇ ਦੇ ਬਾਹਰ ਮੇਲਾ ਲੱਗਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਮੇਲੇ ਵਿਚ ਭਾਰੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਦੂਰ-ਦੁਹਾਡੇ ਤੋਂ ਆਏ ਲੋਕ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਸਥਾਨ ਦੀ ਇਤਿਹਾਸਕ ਤੌਰ ਦੀ ਭਾਰੀ ਮਹੱਤਤਾ ਹੈ। ਡਾ. ਵਣਜਾਰਾ ਬੇਦੀ ਅਨੁਸਾਰ, "ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ 1742 ਬਿਕਰਮੀ ਵਿਚ 52 ਕਵੀਆ ਅਤੇ ਇੱਥੇ ਸਾਢੇ ਚਾਰ ਸਾਲ ਰਹੇ ਸਨ। ਉਸ ਸਮੇਂ ਪਾਉਂਟਾ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਹੋਲੇ ਮੁਹੱਲੇ ਵਾਲੇ ਦਿਨ ਸੂਰਮੇ ਆਪਣੇ ਕਰਤੱਬ ਵਿਖਾਉਂਦੇ ਅਤੇ ਕਵੀ ਆਪਣੀ ਕਵਿਤਾ ਸੁਣਾਉਂਦੇ ਸਨ।

कोरोना काल का अनुभव...

प्रारम्भ में संघोल एवं उसके आस-पास कोरोना मरीजों के पाए जाने पर शाखा को कुछ समय के लिए बंद रखा गया एवं परिस्थिति के सामान्य होते ही जिला अग्रणी प्रबंधन से निर्देश प्राप्त होते ही हमारी शाखा ने कार्य करना प्रारम्भ कर दिया | शाखा संघोल द्वारा राज्य तथा केन्द्र सरकार के आदेशों के अनुसार संघोल तथा नजदीकी क्षेत्र में बैंकिंग सेवा प्रदान की गई। इसमें राज्य सरकार द्वारा निर्देशित बुढ़ापा एवं विधवा पेंशन वितरण और केन्द्र सरकार द्वारा निर्देशित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत महिला लाभार्थियों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराना शामिल हैं। सरकारी हिदायतों के मुताबिक सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा मास्क, ग्लव्ज तथा सेनेटाइजर का इस्तेमाल किया गया।

बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करते हैं, इसी बात को मद्देनजर रखते हुए सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा शाखा प्रबंधक के मौखिक आदेश का पूर्ण निष्ठा से पालन किया गया। शाखा के हाऊस कीपर द्वारा शाखा में आने वाले सभी ग्राहकों के हाथ सेनेटाइज करवाए गए । शाखा में सोशल डिस्टैंसिग का पूर्णता पालन किया गया एवं शाखा में एक समय में 5-7 ग्राहकों को आने दिया गया। शाखा के सहायक प्रबंधक तथा एक स्वयंसेवक द्वारा ग्राहकों के वाउचर भरे गए। मुख्य खजांची तथा एस॰डब्ल्यू॰ओ॰-ए॰ द्वारा दो कैश काउंटर खोले गए। शाखा प्रबंधक के रूप में मुझ पर अपने स्टाफ सदस्य तथा ग्राहकों की सुविधा एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी रही। शाखा तकरीबन 50 साल पुरानी है, इस क्षेत्र की सबसे पहली शाखा होने के कारण शाखा में 12,000 से अधिक खाताधारक हैं। इस कारण आने वाले ग्राहकों को बिना किसी कारण शाखा में ना आने की सलाह दी गई। बैंक के द्वारा चलाई गई अन्य सुविधाओ के बारे में भी ग्राहकों को अवगत कराया गया। ग्राहकों को ए॰टी॰एम॰ का अधिक से अधिक प्रयोग करने को कहा गया । बैंक द्वारा नयी शुरू की गई सेवाएँ जैसे मोबाइल बैंकिंग, बेलेंस चैक करने के लिए नंबरों से ग्राहकों को अवगत कराया गया। ग्राहकों को बिना किसी आवश्यक कारण घर से बाहर ना निकलने तथा सरकार द्वारा आदेशानुसार सभी एहतियात बरतने की बार-बार अपील की गई। बच्चों और बुजुर्गो को खास ख्याल रखने की अपील की गई। अपनी शाखा में आए ग्राहकों को तय समय सीमा में बैंकिंग सेवा प्रदान करना तथा स्टाफ सदस्यों एवं खाताधारकों की सुरक्षा और उनका आत्मबल बढ़ाए रखना, एक चुनौती पूर्ण काम है जो पिछले कुछ समय से हम कर रहे हैं और आने वाले समय में ओर एहतियात से करने का मनोबल रखते है। अंचल प्रमुख तथा अंचल कार्यालय के अन्य स्टाफ सदस्यों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से हमारी शाखा के सभी स्टाफ सदस्यों मनोबल बढ़ा है।

गुरिंदर कौर
शाखा प्रबंधक

ग्रामीण स्वयं रोजगार प्रशिक्षण संस्था, रोपड़

(RSETI)

सफलता की कहानी...

1.

श्री अशोक कावटा पुत्र श्री जगन नाथ कावटा ने आरसेटी, रोपड़ से पीएमईजीपी ईडीपी प्रशिक्षण प्राप्त किया | 10 दिन का प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात अशोक ने अपना व्यवसाय प्रारम्भ किया | अपना कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वह अपने पिता की आय पर निर्भर थे |

अशोक बहुत ही मेहनती है एवं ग्राहकों के कार्य अत्यंत सकारात्मक दृष्टिकोण से करते है | यही कारण है कि उत्तम सेवाएँ देने के कारण उनकी दुकान पर काफी संख्या में ग्राहक आते है | वर्तमान में अशोक 35,000-40,000 रुपये प्रतिमाह कमा रहे है |

आत्मनिर्भर बनाने हेतु अशोक ने आरसेटी, यूको बैंक का हार्दिक आभार व्यक्त किया |

श्री अशोक कावटा
मनीमाजरा, चंडीगढ़
9992999190

2.

श्रीमती जोगिंदर कौर पत्नी श्री तेज प्रकाश एक गृहिणी थी | वह "ब्यूटी पार्लर" के काम की थोड़ी जानकारी रखती थी और इससे संबन्धित प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना "ब्यूटी पार्लर" शुरू करना चाहती थी | इस हेतु उन्होंने आरसेटी, रोपड़ से संपर्क किया |

आरसेटी, रोपड़ से जोगिंदर कौर ने सन 2019 में 10 दिन का "पीएमईजीपी ईडीपी" प्रशिक्षण प्राप्त किया | पूरे प्रशिक्षण के दौरान उन्होन्ने अत्यंत रुचि से ब्यूटी पार्लर से संबन्धित सभी जानकारी और व्यवसाय-प्रबंधन का ज्ञान प्राप्त किया |

प्रशिक्षण प्राप्ति के पश्चात उन्होंने अपना ब्यूटी पार्लर का व्यवसाय प्रारम्भ किया और वर्तमान में वह अपने ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएँ दे रही है और 20,000 रुपये (लगभग) प्रतिमाह कमा रही है| आत्मनिर्भर बनाने हेतु जोगिंदर कौर ने आरसेटी, यूको बैंक का हार्दिक आभार व्यक्त किया |

श्रीमती जोगिंदर कौर,
बालाचौर, एसबीएस नगर
रोपड़
मोबा. 9915209315

3.

श्रीमती किरणजीत कौर पत्नी श्री हरमीत सिंह एक गृहिणी थी | वह अपना काम शुरू करना चाहती थी ताकि वह आत्मनिर्भर बन सकें | परंतु सिलाई के काम में पारंगत न होने के कारण वह अपना काम शुरू नहीं कर पा रही थी | इस काम के लिए उन्हें प्रशिक्षण प्राप्त करने की आवश्यकता थी |

आरसेटी, रोपड़ से किरणजीत कौर ने 30 दिन का "ईएपी" प्रशिक्षण प्राप्त किया | इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्होंने "वुमन टेलर" प्रशिक्षण प्राप्त किया और सिलाई की बारीकी को अत्यंत रुचि के साथ सीखा | एक महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिलाई सीखने के साथ-साथ उन्हें कपड़े सिलने का अभ्यास भी करवाया गया |

प्रशिक्षण प्राप्ति के पश्चात उन्होंने घर पर ही अपना सिलाई का काम प्रारम्भ किया और वर्तमान में वह अपने ग्राहकों को अच्छी सेवाएँ दे रही है और 10,000-12,000 रुपये (लगभग) प्रतिमाह कमा रही है |

आत्मनिर्भर बनाने हेतु किरणजीत कौर ने आरसेटी, यूको बैंक का हार्दिक आभार व्यक्त किया |

श्रीमती किरणजीत कौर
वार्ड न. 08, चमकौर साहिब
रोपड़
मोबा. 9878717313

पारिवारिक प्रतिभा

सुश्री स्नेह लता द्वारा बनाई गई अद्भुत पेंटिंग| ये श्री स्वतंत्र कुमार मौर्य, मुख्य प्रबन्धक की पारिवारिक सदस्य है|

पारिवारिक-प्रतिभा

श्रीमती मनविंदर बाजवाँ हमारे अंचल में पदस्थ श्री अर्जुन बाजवाँ की माताजी है |श्रीमती मनविंदर प्राइमरी विद्यालय में प्राचार्या के रूप में अपनी सेवाएँ दे रही है |उनकी निम्न कविता समाचार-पत्र में भी प्रकाशित हो चुकी है |

एक आशा

वो दिन भी आएगा.
लॉकडाउन हट जाएगा।
लक्ष्मण रेखा मिट जाएगी,
महामारी टल जाएगी।
हम घर से बाहर जाएंगे,
अतिथि घर आएंगे,
महफिलें फिर सजाएंगे
उत्सव फिर मनाएंगे।
बच्चे बाहर खेलेंगे,
बूढ़े सब बतियाएंगे,
जवान काम पर जाएंगे।
बंधन ढीले पड़ जाएंगे
प्रकृति फिर मुस्कुराएगी,
सब मिलकर खिलखिलाएंगे
हम नाचेंगे गाएंगे।
वो दिन जब भी आएगा,
सीमाएं मिट जाएंगी
दुनिया एक हो जाएगी,
विजयी भव का संदेश सुनाएगी।

-मनविंदर बाजवा
सेक्टर-44 ए, चंडीगढ़

विदाई

माह	क्रसं	नाम	पदनाम	शाखा/कार्यालय
जनवरी	1	श्री मुकेश कुमार गुप्ता	वरिष्ठ प्रबन्धक	मिलरगंज, लुधियाना
फरवरी	1	श्री रोशन लाल डग्गा	विशेष सहायक	औ॰क्षे॰ पटियाला
	2	श्रीमती बिमला देवी	अधीनस्थ कर्मचारी	अंचल कार्यालय
मार्च	1	श्री अनिल कुमार	मुख्य प्रबन्धक	सेक्टर 17बी शाखा

वसूली-अभियान
एवं
वित्तीय
साक्षरता दिवस

शाखाओं द्वारा कोविद-19 से बचाव हेतु एहतिहाद उपायों का पालन

MINISTRY OF AYUSH

COVID 19 संकट के दौरान स्वयं की देखभाल के लिए आयुर्वेद की प्रतिरक्षा बढ़ाने के उपाय

कोविद 19 के प्रकोप के मद्देनजर दुनिया भर में पूरी मानव जाति पीड़ित है। हम सभी जानते हैं कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। जबकि इसके लिए कोई दवा नहीं है COVID -19 अब के रूप में, निवारक उपायों को लेना अच्छा होगा जो हमारे प्राकृतिक रक्षा प्रणाली (प्रतिरक्षा) को बढ़ावा देते हैं

अनुशंसित उपाय

I सामान्य उपाय

1. पूरे दिन गर्म पानी पिएं।
2. कम से कम 30 minutes के लिए योगासन, प्राणायाम और ध्यान का दैनिक अभ्यास करें
3. मसाले जैसे हल्दी, जीरा, धनिया और खाना पकाने में लहसून का इस्तमाल करें

II आयुर्वेदिक इम्युनिटी को बढ़ावा देने के उपाय

1. सुबह च्यवनप्राश 10gm (1tsf) लें। मधुमेह रोगियों को चीनी मुक्त च्यवनप्राश का सेवन करना चाहिए ।
2. तुलसी, दालचीनी से बनी हर्बल चाय / दालचीनी, कालीमिर्च, सूखी अदरक और मुनक्का - दिन में एक या दो बार काढ़ा पिएं (नींबू का रस अपने स्वाद के लिए, यदि आवश्यक हो)
3. 150 मिली गर्म दूध में आधी चम्मच हल्दी पाउडर -दिन में एक या दो बार ले ।

III सरल आयुर्वेदिक प्रक्रियाएं

1. नाक का अनुप्रयोग - दोनों नाक के नथुने में तिल का तेल / नारियल का तेल या घी लगाएँ- सुबह और शाम को
2. ऑयल पुलिंग थेरेपी- 1 चम्मच तिल या नारियल का तेल मुंह में लें कर 2 से 3 मिनट के लिए मुंह में घुमाएं और इसके बाद इसे थूक दें और गर्म पानी से कुल्ला करें । यह दिन में एक या दो बार किया जा सकता है।

IV सूखी खांसी / गले में खराश के दौरान

1. ताजा पुदीना के पत्ते या अजवाईन के साथ भाप से साँस लेना दिन में एक बार अभ्यास किया जा सकता है।
2. लौंग पाउडर को गुड़ या शहद के साथ मिलाकर 2-3 बार ले सकते हैं
3. ये उपाय आम तौर पर सामान्य सूखी खांसी और गले में खराश का इलाज करते हैं। हालाँकि, डॉक्टरों से परामर्श करना सबसे अच्छा है अगर ये लक्षण बने रहते हैं।

STAY SAFE
STAY HOME

यूको बैंक......सुर्ख़ियो में......

ਯੂਕੋ ਬੈਂਕ ਵਲੋਂ ਆਪਣਾ 77ਵਾਂ ਸਥਾਪਨਾ ਦਿਵਸ ਮਨਾਏ ਜਾਣ ਸਮੇਂ ਕੇਕ ਕੱਟੇ ਜਾਣ ਦੀ ਇਕ ਝਲਕ।

ਯੂਕੋ ਬੈਂਕ ਨੇ ਆਪਣਾ 77ਵਾਂ ਸਥਾਪਨਾ ਦਿਵਸ ਮਨਾਇਆ

नीलम व पूजा को यूको राजभाषा सम्मान

चंडीगढ़। यूको बैंक की ओर से हिंदी दिवस पर हिंदी विभाग के विशेष कार्यक्रम के दौरान विभाग की मेधावी छात्रा नीलम और पूजा चौहान को यूको राजभाषा सम्मान दिया गया। इस सम्मान के तहत 5000 रुपये का चेक एवं स्मृति चिन्ह दिया गया।

विभागाध्यक्ष डॉ. गुरमीत सिंह ने इसके लिए यूको बैंक का धन्यवाद किया और कहा कि इस तरह के सम्मान से विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है। इस दौरान बैंक के सहायक महाप्रबंधक, मोहन राम, हिंदी भाषा अधिकारी डॉ. हेमलता और वरिष्ठ प्रबंधक ताशी आदि मौजूद रहीं।

हिंदी के स्टूडेंट्स को यूको राजभाषा सम्मान

चंडीगढ़, 29 फरवरी (साजन): पंजाब यूनिवर्सिटी के हिंदी विभाग के मैरीटोरियस स्टूडेंट्स को यूको राजभाषा सम्मान दिया गया। यूको बैंक की ओर से स्टूडेंट्स को 5 हजार रुपए दिए गए। विभाग के हैड डॉ. गुरमीत सिंह ने बैंक को स्टूडेंट्स को प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद किया। इस दौरान बैंक के असिस्टेंट जनरल मैनेजर मोहन राम, हिंदी लैंगवेज अफसर डॉ. हेमलता, सीनियर मैनेजर ताशी ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

यूको बैंक ने मनाया 77वां स्थापना दिवस

यूको बैंक ने बुढ़ापा पेंशन की वितरित

आनंदपुर साहिब | यूको बैंक ब्रांच आनंदपुर साहिब द्वारा सीनियर सिटीजन को बुढ़ापा पेंशन, मनरेगा कर्मियों के पैसे उनके घर में जाकर दिए गए। फील्ड अफसर राजवीर सिंह, मैनेजर जसवंत सिंह ने बताया कि बुजुर्गों को चलने फिरने में दिक्कत आती है तथा अगर वह बैंक तक पहुंच भी जाते है तो सोशल डिस्टेंस के उल्लंघन की आशंका बनी रहती है। इसलिए लोगों के घर-घर जाकर पेंशन देने के कार्य को शुरू किया है। शुक्रवार को आनंदपुर साहिब के गांव चंदपुर के सीनियर सिटीजन को बुढ़ापा पेंशन व मनरेगा कर्मियों को पैसे दिए है। बुजुर्गों को फरवरी, मार्च, अप्रैल की पेंशन दी गई। पेंशन देते समय नियमों का पालन किया गया। उन्होंने बताया कि कल चंगर क्षेत्र के गांव के लोगों को घर-घर जाकर सुविधा दी जाएगी।

बुजुर्गों को पेंशन देते बैंक कर्मी।

यूको बैंक | UCO BANK
सम्मान आपके विश्वास का | Honours Your Trust

Stay Home: Stay Safe

Avoid public gathering

UCO e-Banking